बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २** **कुल गुण : १००**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण -प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''आप लोगों की प्रसन्नता में ही मेरी खुशी है ।'' १८
२. ''कृपया उन्हें आपके धाम के अधिकारी बनाए ।'' २३
३. ''आप सभी ने वृक्ष के नीचे गंदे चबूतरे को देखा था ।'' ११

प्रश्न.२. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए ।(बारह पंक्ति में) **(९ गुण)**

१. राजाभाई अपना व्यवहार समेटकर गढ़डा आ पहुँचे । ६४
२. परम एकांतिक संत के योग से एकांतिक धर्म सिद्ध होता है, तत्पश्चात् जीव का कल्याण होता है । ९८
३. रामबाई ने घड़े से थोड़ा पानी ग्रहण करके बाकी सब कुएँ में डाल दिया । ७८
४. सोमला खाचर ने अपनी सारी जमीन भगवान स्वामिनारायण के चरणों में समर्पित कर दी । २९

प्रश्न.३. निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए ।(बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. मानसी पूजा । ४५

अथवा

२. संप्रदाय के तीर्थस्थान । २४
३. अद्‌भुतानंद स्वामी । १२

अथवा

४. भक्तराज मगनभाई । १०१

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६ गुण)**

१. सुरा खाचर को नियम से भ्रष्ट करने के लिए किस ने कुलटा स्त्री को भेजा ? ८०
२. कृपानंद स्वामी क्यों ज्ञानी बनने के लिए कहते थे ? ५७
३. कौन से दो ब्राह्मण भक्त मानकूवा में रहते थे ? ९१
४. आज्ञापालन से क्या मिटती है ? ७२
५. वचनामृत के बारे में गुणातीतानन्द स्वामी क्या कहते हैं ? ३५
६. जैन महाजन स्तब्ध होकर महाराज से क्या कहने लगे ? ९०

प्रश्न.५. भगवान जीवों के गुनाहों की ..... (८७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** अथवा **(५ गुण)**
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ५४ (६०) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५ गुण)**

विषय : भगवान स्वामिनारायण सदा दिव्य मूर्ति हैं । ७३-७४

१. उसी प्रकार पृथ्वी पर मनुष्य स्वरुप में भी वे दिव्य अनंत शक्तिमान एवं ऐश्वर्य युक्त हैं । **२.** तीन गुणों से पर गुणातीत हैं । ३. जीव ईश्वर तथा माया का कारण और आधार हैं । **४.** पृथ्वी पर भगवान का मनुष्यभाव दिखाई देना उनकी लीला का ही एक अंग है । **५.** निरंश, निर्विकारी, कूटस्थ हैं । **६.** भगवान के भक्त को, भगवान का स्वरूप अक्षरधाम सहित पृथ्वी पर विराजमान हैं, यही समझना चाहिए । **७.** निराकार, एकरस, चैतन्य और चिदाकाशरुप से अनंतकोटि ब्रह्मांडों के आधार हैं । **८.** धाम में स्थित मूर्ति में तथा यहाँ प्रत्यक्ष विचरण करती मूर्ति में कोई भेद नहीं है । **९.** अनंत, अमायिक और दिव्य गुणों के धारक हैं । **१०.** अनादि और नित्य हैं ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.७. निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । **(८ गुण)**

१. ''कल्पतरु सर्वना ..... सौथी मोटी ।'' १७
२. ''वळी तमारे विषे ..... न भूलीए हरि ।'' ८१
३. ''वहाला तारे जमणे ..... प्रवीण छे रे लोल ।'' ६९
४. ''कह्युं बहु ..... एनी वातमां रे ।'' ४१

प्रश्न.८. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(६ गुण)**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ''ॐ अबुद्धिह्रते नमः ..... ॐ उदाराय नमः ।'' ५२
२. ''दिव्याकृति ..... शरणं प्रपद्ये ॥ २७
३. ''स्नेहातुरस्त्वथ ..... शरणं प्रपद्ये ।'' श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए । २८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा - सत्संग प्रवीण - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो । **६०२**

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर २००२

प्रश्न.९. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''बड़े तो एक खुदाताला हैं ।'' ७६
२. ''हम क्या करने आये हैं और क्या हो रहा है ?'' १४
३. ''निर्गुण ब्रह्म सुलभ अति, सगुण न जाने कोई ।'' ४४

प्रश्न.१०. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (९ गुण)

१. महाराज ने अपना पाँव निकाल ने के लिए कहा । ३२
२. स्वामी ने रघुवीरजी महाराज को तीर्थवासी बनकर जूनागढ़ आने को कहा । ६२
३. खंभात के नवाब गुणातीतानंद स्वामी के दर्शन करने आए । ६३
४. बाबाजी घबराकर वहाँ से चल दिए । ८

प्रश्न.११. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (८ गुण)

१. मान अपमान में एकता । ८२
२. देह का अनादर । २६
३. जूनागढ़ मंदिर के महंतपद पर । ४४

प्रश्न.१२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (६ गुण)

१. घोड़ी पर बैठकर चलते हुए महाराज के दर्शन स्वामी ने किस प्रकार किए ? ४०
२. स्वामी ने वेदांतियों को किस में प्रवेश करके उत्तर देने को कहा । ३६
३. बाज़ारु काँटि अर्थात् क्या ? ६७
४. गढ़डा में मुक्तानंद स्वामी क्यों आश्चर्यचक्ति रह गए ? २१
५. कुरजी दवे को महाराज ने लोज में क्या कहा ? ४५
६. गुणातीतानंद स्वामी संतों को कौन से चार हरिभक्तों का समागम करने के लिए कहते थे ? ७०

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (४ गुण)

१. विरक्ति । ३४
२. एकबार मिलना कठिन लगा । २६
३. मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकतें हैं । ५२

प्रश्न.१४. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सोरठ का सत्संग। ७६

(१) ☐ खिचड़ी ही खाते थे । (२) ☐ बैल को स्वामी की सेवा में समर्पित किया ।
(३) ☐ मैं तो उसका दास हूँ । (४) ☐ सत्संगी क्या क्या समर्पित नहीं करेंगें ।

२. स्वामी उपशम स्थिति में । ६४

(१) ☐ हे, राजा रहुगण, तू अकोविद हो ।
(२) ☐ वासुदेवचरण स्वामी को शाश्वत शान्ति का अनुभव हुआ ।
(३) ☐ सर्वोपरी पुरुषोत्तम स्वरुप का ज्ञान और अक्षर के स्वरुप का ज्ञान योग्य-अयोग्य पात्र देखे बिना सबको कहने ही लगे ।
(४) ☐ वृत्तियों का निरोध करके मेरे सामने देखते रहो तो ग्रंथियाँ पिघल जायेगी और वासना का नाश हो जायेगा ।

३. गुणातीतानंद स्वामी की कृपा से दोष रहित । ८१, ८२

(१) ☐ ब्रह्मचारी धर्मस्वरूपानंद । (२) ☐ पीतांबरदास ।
(३) ☐ केशवप्रसादजी महाराज । (४) ☐ कृपानंद स्वामी ।

४. गुणातीतानंद स्वामी के मुख से प्रसंगोचित कहे हुए शब्द । ७८, ८६

(१) ☐ मुझे रसास्वाद परेशान नहीं करता ।
(२) ☐ अष्टांगयोग का फल समाधि है, तो जाओ आज से आपको समाधि होगी ।
(३) ☐ मैं तो महाराज के चरणारविंद को छाती पर लगाता हूँ ।
(४) ☐ ये तेरे घर में बैठे हैं, वही अक्षर हैं ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋